

समुद्री मात्स्यिकी को बढ़ावा देने हेतु सागरीय रेन्चगि पहल

[स्रोत: द हट्टि](#)

केरल मत्स्य वभिाग ने सतत् मात्स्यिकी को बढ़ावा देने के लयि तरुवनंतपुरम के तट पर एक सागरीय रेन्चगि पहल शुरू की है ।

- समुद्री रेन्चगि या महासागरीय रेन्चगि, मत्स्य पालन का एक प्रकार है, जसमें युवा मछलियों को बना कसिी संरक्षण या सहायता के प्राकृतिक रूप से वृद्धा के लयि समुद्र में छोड़ दया जाता है, उसके बाद उनका शकार कया जाता है ।
- समुद्री मत्स्य संसाधनों के पुनः भरण के उद्देश्य से तरुवनंतपुरम तट के 10 स्थानों पर 10 लाख पोम्पानो और कोबया फगिरलगिस (समुद्री मछली प्रजातयौँ) छोड़ी जाएंगी ।
- यह परयोजना प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (PMMSY) के अंतरगत कृत्रमि चट्टान पहल का अनुसरण करती है, जसका उद्देश्य समुद्री जैववधिता में वृद्धा करना है ।
 - तरुवनंतपुरम में 42 स्थानों पर स्थापति कृत्रमि चट्टानों ने ट्यूना, टरेवलली और मैकेरल जैसी वभिन्न मछली प्रजातयौँ को आकर्षति कया है ।
- परयोजना के भावी चरणों में केरल के 96 गाँवों तक कृत्रमि भतितयौँ का वसितार करने का प्रस्ताव है ।
- PMMSY को मत्स्य पालन वभिाग, मात्स्यिकी, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय द्वारा भारत के मत्स्य पालन कषेत्र के पारस्थितिक रूप से स्वस्थ, आर्थिक रूप से व्यवहार्य एवं सामाजिक रूप से समावेशी वकिस के लयि शुरू कया गया था ।

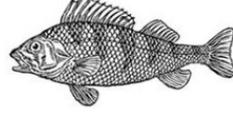
//



प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना



अगले पांच वर्षों
में 20,000 करोड़
रुपये से अधिक
का निवेश



मछली उत्पादन
को 220 एलएमटी
तक बढ़ाने के
लिए



मछुआरों और
मछली पालन की
आय दोगुनी और
रोजगार सृजन



तटीय मछुआरे
गांवों में 3,477
"सागर मित्र"
पंजीकृत होंगे

और पढ़ें: [प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना](https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/sea-ranching-initiative-to-boost-marine-fisheries)